महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा में
"प्रतिरोध और प्रदर्शन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर थियेटर रिसर्च की भारतीय इकाई इंडियन सोशायटी फॉर थियेटर रिसर्च हैदराबाद तथा प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं रंगमंच) विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में 15 -17 जनवरी 2018 को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय **"प्रदर्शन हेतु प्रतिरोध या प्रतिरोध का प्रदर्शन : विश्व परिदृश्य"(Theatre and Protest: India and the World)** है। सम्मेलन हेतु संक्षिप्त सार आमंत्रित हैं। जो निम्न शीर्षक को ध्यान में रखकर भेजे जा सकते हैं-

1.प्रतिरोध का रंगमंच 2. रंगमंच और प्रतिरोध के लिए सीमित होते स्पेस 3. सांस्कृति की राजनीति व प्रतिवाद का रंगमंच 4. प्रतिरोध के रंगमंच मे हिंसा व अहिंसा 5. विरोध प्रदर्शन और नवाचार 6. राजनैतिक विचारधाराएँ 7. संस्कृतियों का टकराव 8. भाषागत प्रतिमान और प्रतिरोध का रंगमंच 9. अशब्द / सांकेतिक / गैर मौखिक प्रदर्शन व प्रतिरोध 9. संगठित / संरचित विरोध प्रदर्शन 10. स्थल/क्षेत्र केन्द्रित रंगमंच और प्रतिरोध 11. वर्चुअल स्पेसेस (परोक्ष/आभासीय स्थल) व प्रतिवाद प्रदर्शन 12. सोशल / डिजिटल मीडिया और प्रतिरोध का रंगमंच 13. रंगमंच और उग्र/अतिवादी (तार्किक) विरोध 14. जन आंदोलन और रंगमंच 15. प्रतिरोध प्रदर्शन का इतिहास लेखन 16. प्रतिरोध रंगमंच के औपनिवेशिक व उत्तर औपनिवेशिक प्रतिमान तथा 17. देशज व लोक प्रदर्शन परंपरा तथा प्रतिरोध आदि।

रंगमंच,कला, साहित्य, संगीत, नृत्य, मीडिया व अन्य संबन्धित अनुशासनों से जुड़े विद्वान, शोधकर्ता और कलाकार अपने संक्षिप्त सार एमएस (MS) वर्ड फार्मेट हिन्दी (यूनिकोड-कोकिला-16/ मंगल-12) तथा अँग्रेजी (Times New Roman-12)में अधिकतम 500 शब्दों में istr.str@gmail.com पर 20 नवंबर, 2017 तक मेल कर सकते हैं।

सम्मेलन से संबन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु डॉ. सतीश पावड़े – 9372150158 (सम्मेलन संयोजक) या आशीष कुमार - 9420037240 (सम्मेलन सचिव) से संपर्क किया जा सकता है।